एम.ए. राजनीति विभाग

एम.ए. (राजनीति विज्ञान) पाठ्यक्रम निर्माण हेतु अययन मण्डल की विशेष बैठक का कार्यवृत्त

आज दिनांक 20.03.2004 को मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान संकाय के अन्तर्गत राजनीति विज्ञान, विभाग में एम.ए. राजनीति विज्ञान के दूरवर्ती पाठ्यक्रम के निर्माण हेतु अध्ययन मण्डल की बैठक बाह्य विषय–विशेषज्ञ प्रो. बी.आर. पुरोहित Professor Emeritus, M.P. Institute of Social Science Research, Ujjain की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इसमें निम्नानुसार निर्णय हुये –

1. इस पाठ्यक्रम की अवधि 02 वर्ष की होगी।
2. उक्त पाठ्यक्रम में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रेषित अद्यतन Model Curriculum के आधार पर किया गया है।
3. आंतरिक मूल्यांकन प्रत्येक दूरवर्ती स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के अनुसार आंतरिक 30 नम्बर और 70 बाह्य अंक होंगे।
4. मीटिंग सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुई।

एम.ए. (राजनीति शास्त्र)

एम.ए. राजनीतिक विज्ञान पाठ्यक्रम (दूरवर्ती)

क्रमांक	**प्रश्न पत्र का नाम**
प्रथम वर्ष :	
1.	पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास
2.	आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन का इतिहास
3.	तुलनात्मक राजनीति
4.	शोध प्रविधि
द्वितीय वर्ष :	
5.	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धान्त एवं विदेशनीति का विश्लेषणश
6.	भारतीय शासन और राजनीति
7.	लोक प्रशासन
8.	अंतर्राष्ट्रीय कानून
9.	लघु शोध प्रबंध

नोट : 55 प्रतिशत से अधिक अंक पूर्वाद्ध में होने पर अंतर्राष्ट्रीय कानून के विकल्प स्वरूप शोध प्रबन्ध लिया जा सकेगा।

एम.ए. राजनीतिक विज्ञान पाठ्यक्रम

एम.ए. पूर्वार्द्ध

प्रश्न–पत्र : प्रथम

पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास

इकाई–1

- यूनानी राजनीतिक चिंतन, विशेषतायें
- विशेषताएं
- प्लेटो एवं अरस्तु

इकाई–2

- रोमन राजनैतिक चिंतन–विशेषतायें
- चर्च–राज्य संघर्ष
- संत आगस्टीन,
- संत थामस एक्वीनास

इकाई–3

- मैकियावेली, हॉब्स, लॉक एवं रूसो, हर्बर्ट स्पेन्सर

इकाई–4

- बेंथम, मिल, ग्रीन, हीगल

इकाई–5

- समाजवादी चिंतन का विकास
  मार्क्स एवं लास्की

सन्दर्भ ग्रंथ

1. डॉ. एच.सी.जैन : पाश्चात्य राजनीतिक विचारों का इतिहास
2. प्रभुदत्ता शर्मा : पाश्चात्य राजनीतिक चिंतन का इतिहास
3. डॉ. बी.आर. पुरोहित : राजनीतिक चिंतन का इतिहास

एम.ए. पूर्वार्द्ध

प्रश्न–पत्र : द्वितीय

आधुनिक भारतीय राजनीतिक चिंतन का इतिहास

इकाई–1

- भारतीय राजनीतिक चिंतन के विकास का संक्षिप्त परिचय
- भारतीय पुनर्जागरण
- राजाराम मोहनराय
- दयानन्द सरस्वती
- विवेकानन्द
- पुनर्जागरण के बढ़ते चरण

इकाई–2

- वंकिम चन्द्र चटर्जी
- श्रीमती एनीबेसेण्ट
- नरमवादियों एवं उग्रवादियों का विवाद
- नरमवादी विचारधारा – महादेव गोविन्द रानाडे
- दादाभाई नौरोजी, फिराजशाह मेहता
- सुरेन्द्रनाथ बनर्जी
- गोपाल कृष्ण गोखले
- राष्ट्रवादी विचारधारा – बाल गंगाधर तिलक
- लालालाजपत राय
- विपिन चन्द्र पाल

इकाई – 3

गांधीवाद : महात्मा गांधी के समाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक विचार, आश्रम व्यवस्था, कार्य साधन

जवाहरलाल नेहरू : वैचारिक पृष्ठभूमि, सामाजिक राजनैतिक एवं आर्थिक विचार, पंचशील का सिद्धान्त, अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक के संदर्भ में।

इकाई–4

भारतीय समाजवाद का स्वरूप : आचार्य नरेन्द्र देव जयप्रकाश नारायण, राममनोहर लोहिया, मानवेन्द्र नाथ राय।

इकाई–5

डॉ. बी.आर.अम्बेदकर – सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक विचार

जातिवाद की समीक्षा – डॉ. बी.आर. अम्बेदकर एवं पेरियार

संदर्भ ग्रंथ

1. **प्रो. नन्दलाल** : आधुनिक राजनीतिक चित्रंतन का इतिहास
2. **प्रभुदत्त शर्मा** : भारतीय राजनीतिक चिंतन का इतिहास
3. **डॉ. गोविन्द शर्मा** : भारतीय राजनीतिक चिंतन का इतिहास हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

एम.ए. पूर्वार्द्ध

प्रश्न–पत्र तृतीय

तुलनात्मक राजनीति

(अमेरिका, फ्रांस, बिटेन, स्विटजरलैण्ड एवं भारत)

इकाई–1

तुलनात्मक राजनीति–प्रकृति एवं क्षेत्र, तुलनात्मक राजनीति का विकास, तुलनात्मक राजनीति के अध्ययन के उपागम–परामपरागत, संरचनात्मक, प्रकार्यात्मक, व्यवस्था सिद्धान्त एवं मार्क्सवादी दृष्टिकोण।

इकाई–2

संचार, राजनीतिक सहभागिता, राजनीतिक, समाजीकरण, राजनीतिक विकास, संविधानवाद व विधि का शासन।

इकाई–3

सरकार के रूप व वर्गीकरण (परम्परागत एवं आधुनिक), एकात्मक व संघात्मक, संसदीय व अध्यक्षात्मक।

इकाई–4

व्यवस्थापिका : संरचना, कार्य व भूमिका, प्रदत्त विधायन।
कार्यपालिका : संरचना, कार्य व भूमिका
न्यायपालिका : संरचना, कार्य व भूमिका, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, न्यायिक पुनरीक्षण।
शक्ति पृथक्करण : सिद्धान्त एवं व्यवहार, नौकरशाही–कार्य व भूमिका।
निर्वाचन प्रणालियाँ व मतदान व्यवहार, राष्ट्र निर्माण।

इकाई –5

राजनीतिक दल : दल पद्धति व उसके बदलते प्रतिमान, विकासशील देशो में विपक्ष की भूमिका, हित समूह–दबाव समूह, जन आन्दोलन।

संदर्भ ग्रंथ

1. **प्रभुदत्त शर्मा** : तुलनात्मक राजनीति
2. **चंद्रा पटनी** : विश्व के विभिन्न देशों के संविधान
3. **डॉ. सुषमा शर्मा** : विश्व के विभिन्न देशों के संविधान

एम.ए. पूर्वार्द्ध

प्रश्न पत्र : चतुर्थ

शोध प्रविधि

इकाई–1

सामाजिक अनुसंधान – अर्थ, प्रकृति।

राजनीतिक विज्ञान – परंपरागत सिद्धांत, व्यावहारिक, उत्तर व्यावहारिकवाद।

इकाई–2

राजनीति विश्लेषण की पद्धतियाँ – मनो वैज्ञानिक पद्धति, दार्शनिक पद्धति, सांख्यिकी पद्धति, ऐतिहासिक पद्धति, समाजशास्त्रीय पद्धति, तुलनात्मक पद्धति, वैज्ञानिक पद्धति विभिन्न चरण, विशेषतायें।

इकाई–3

शोध प्रविधि–शोध प्रारूप का निर्माण, उपकल्पना, प्रतिचयन, निदर्शन, अवलोकन (प्रेक्षण), साक्षात्कार एवं साक्षात्कार अनुसूची – प्रश्नावली।

इकाई–4

मात्रात्मक अर्न्तवस्तु विश्लेषण मापन/अनुमाप, वैयक्तिक अध्ययन, पैनल स्टडी (व्यक्ति सूची–अध्ययन), क्षेत्रीय अध्ययन संकेतीकरण सामग्री संसाधन, विश्लेषण व्यवस्था, सामाजिक अनुसंधान में कम्प्यूटर का प्रयोग एवं महत्व।

इकाई–5

प्रतिवेदन लेखन–प्रारंभिक सांख्यिकी–मीन, मीडिया, मोड।

संदर्भ ग्रंथ

- रवीन्द्र नाथ मुखर्जी : शोध प्रविधि

एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्न पत्र : पंचम

लघु शोध प्रबंध

छात्रों में विषय की गम्भीरता एवं व्यावहारिक जटिलता का ज्ञान कराने के लिए किसी समस्या का गहन अध्ययन करने के बाद एक परियोजना प्रतिवेदन (लघु शोध प्रबन्ध) प्रस्तुत किया जायेगा। इस लघु शोध प्रबंध को छात्र के द्वारा समग्र अध्ध्यन के पश्चात् जिसमें शोध प्रविधियों का संदर्भानुसार प्रयोग करते हुये प्रस्तुत किया जायेगा। वे छात्र/छात्रायें जो एम.ए. पूर्वार्द्ध में 55 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करेंगे उन्हें प्रश्न पत्र–8 अन्तर्राष्ट्रीय कानून के विकल्प में लघु शोध प्रबन्ध की पात्रता होगी।

एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्न–पत्र – प्रथम

अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक के सिद्धांत एवं विदेश नीति का विश्लेषण

इकाई–1

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति : प्रकृति एवं क्षेत्र, अध्ययन पद्धतियाँ–परम्परागत एवं वैज्ञानिक अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के वृहत, सिद्धान्त आदर्शवादी एवं यथार्थवादी।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक के आंशिक सिद्धांत–साम्यावस्था (इक्विलिब्रियम) निर्णय निर्माण, खेल, संचार, सामान्य व्यवस्था तथा संरचनात्मक – प्रकार्यात्मक सिद्धांत।

इकाई–2

राष्ट्रीय शक्ति – तत्व, आधार, मूल्यांकन एवं सीमायें, राष्ट्रीय हित।

अंतराष्ट्रीय राजनीति में शक्ति, विचारधारा, अंतर्राष्ट्रीय विधि, नैतिकता व कूटनीति की भूमिका।

इकाई–3

निःशस्त्रीकरण, शस्त्र नियंत्रण, शक्ति संतुलन व आतंक, सामूहिक सुरक्षा, संघर्ष–निदान, परमाणु–अप्रसार, शीत युद्ध एवं नवशीतयुद्ध।

साम्यवाद का पराभव व उसके अंतर्श्राष्ट्रीय परिणाम, क्षेत्रवाद, क्षेत्रीय संगठन व उप–संगठन, साम्राज्यवाद व आश्रिता, महाशक्तियां व तीसरी दुनियाँ, उत्तर–दशिक्षण संबंध।

इकाई–4

आश्रिता एवं आत्मनिर्भरता, रंगभेद, नई अंतर्राष्ट्रीय राजनीति राजनीति में असंलग्नता व उसकी भूमिका, मानव अधिकार, पर्यावरण की राजनीति, वैश्वीकरण।

इकाई–5 विदेशनीति विश्लेषण :
भारत, चीन
संयुक्त राज्य अमेरिका, पूर्व सोवियत संघ एवं रूस की विदेश नीति।

संदर्भ ग्रंथ

1. प्रो. रामदेव भरद्वाज : अन्तर्राष्टीय राजनीति के सिद्धांत एवं विदेश नीति : एच.जी.ए., भोपाल
2. प्रभुदत्त शर्मा : अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के सिद्धांत एवं व्यवहार
3. एच.भार्गिन्थों : पांलिटिक्स एमंग नेशन्स

एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्न पत्र : द्वितीय

भारतीय शासन और राजनीति

इकाई–1

भारतीय राजनीति की परम्परायें एवं अभिवृत्तियाँ, सामाजिक संरचना व राजनीति के सामाजिक आधार–जाति, भाषा, धर्म व क्षेत्रीयता,

भारतीय संविधान के घोषित आदर्श–संप्रभुता, संघवाद, लोकतंत्र, धर्म निरपेक्षता, समाजवाद, मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य तथा राज्य के नीति निर्देशक तत्व।

इकाई–2

राजनीतिक तंत्र कार्यान्वयन, राजनीतिक शक्तियां व प्रकिगयायें – प्रमुख राजनीतिक दल, क्षेत्रीय दल, विपक्ष की भूमिका।

दबाव समूह, राजनीतिक विकास एवं राजनीतिक सहभागिता, साझा करकारों की राजनीति, निर्वाचन की राजनीति, निर्वाचन आयोग एवं चुनाव सुधार।

इकाई– 3

संसद व उसकी कार्य प्रणाली, विधि निर्माण प्रकिया।

कार्यपालिका–विधि कियान्वयन, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मंत्रीमण्डल

न्यायपालिका–विधि व्याख्या, सर्वोच्च न्यायालय, भारत में न्यायपालिका की स्थिति व भूमिका।

न्यायिक पुनरावलोकन, न्यायिक सकियतावाद (Judicial Activism) जनहित मुकदमें

इकाई–4

भारतीय राजनीति की आधुनिक प्रवृतियाँ और समस्यायें, भारत में राज्यों की राजनीति– सामान्य विशेषताएँ, राज्यों की स्वायत्ता का प्रश्न।

इकाई–5

केन्द्र–राज्य संबंध, आंतकवाद, महिलायें एवं जानीति, भारत में स्थानीय स्वशासन, मानव अधिकार एवं पर्यावरण की राजनीति।

अनुशंसित पुस्तकें

1. रजनी कोठारी : भारतीय राजनीति

2. एम.पी. राय : भारतीय राजनीति एवं शासन

3. इण्डिया : गर्वनमेंट एण्ड पोलिटिक्स इन डेव्हलपिंग नेशन।

एम.ए. राजनीतिक विज्ञान पाठ्यक्रम

एम.ए. उत्तरार्द्ध

प्रश्न–पत्र – तृतीय

लोक प्रशासन

इकाई – 1

लोक प्रशासन : परिभाषा, प्रकृति, क्षेत्र व अन्य विषयों से सम्बन्ध लोक प्रशासन व निजी प्रशासन।

लोक प्रशासन की अध्ययन पद्धतियॉ

व्यावहारिकवादी, तुलनात्मक व निर्णय – परक दृष्टिकोण।

इकाई –2 संगठन के सिद्धान्त

मशीनवादी – मानव संबंधवादी

संगठन की आधारभूत समस्याएं

मुख्य कार्यपालिका

स्टाफ अभिकरण व सूत्र अभिकरण।

विभाग, सवतंत्र नियामकीय आयोग व लोक–निगम

इकाई–3

कार्मिक वर्ग प्रशासन – लोक सेवा, भर्ती, प्रशिक्षण, पदोन्नति, कर्मचारियों की सेवा शर्ते, कर्मचारियों के संगठन

नौकरशाही – वेबर के विचार व उसकी आलोचना।

इकाई–4

वित्तीय प्रशासन : अर्थ एवं महत्व, बजट–परिभाषा, बजट निर्माण के सिद्धांत, अच्छे बजट की विशेषताएं, भारत में बजट निर्माण प्रक्रिया, वित्त पर विधायी व प्रशासनिक नियंत्रण, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक।

इकाई–5

प्रदत्त, प्रशासकीय विधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं प्रशासकीय उत्तरदायित्व, लोक सम्पर्क, प्रशासन में भ्रष्टाचार, ओम्बुड्समेन, लोकपाल एवं लोकायुक्त। भारत में स्थानीय शासन, जिला प्रशासन व विकास की चुनौतियां, सुशासन, ई–प्रशासन।

संदर्भ ग्रंथ

1. अवस्थी एण्ड अवस्थी : लोक प्रशासन
2. एम.पी. शर्मा : लोक प्रशासन सिद्धांत एवं व्यवहार

3. डबल्यू. बिलोबी : पब्लिक एण्ड मिनिस्ट्रेशन

एम.ए. उत्तरार्द्ध
प्रश्न–पत्र चतुर्थ
अंतर्राष्ट्रीय कानून

इकाई–1

अंतर्राष्ट्रीय कानून : अर्थ परिभाषा, क्षेत्र, राष्ट्रीय कानून की तुलना, अन्तर्राष्ट्रीय कानून की ऐतिहासिक पृष्टभूमि, अन्तर्राष्ट्रीय कानून के विषय।

इकाई–2

मान्यता, उत्तराधिकार, मानवाधिकार एवं मानवाधिकार आयोगं

इकाई–3

अंतर्राष्ट्रीय विवादों का समाधान, शान्तिपूर्ण एवं बाध्यकारी। युद्ध, संधियाँ, तटस्थता, विनिषिद्ध वस्तुएँ।

इकाई–4

अन्तर्राष्ट्रीय संगठन : राष्ट्रसंघ एवं संयुक्त राष्ट्रसंघ।

इकाई–5

अन्तर्राष्ट्रीय विधि के प्रमुख वाद।

संदर्भ ग्रंथ

1. वेदालंकार : अन्तर्राष्ट्रीय कानून सिद्धान्त एवं व्यवहार

2. एस.सी. परिहार : अन्तर्राष्ट्रीय कानून का इतिहास